MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:20 JULY 2026

एमसीयू में सिनेमा, साहित्य एवं पत्रकारिता विषयक संकाय विकास कार्यक्रम आज से

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी करेंगे उद्घाटन

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय तथा यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र, अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के संयुक्त तत्वाधान में एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम(फेकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम) का शुभारंभ 20 जुलाई को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी करेंगे।

एक सप्ताह तक चलने वाले इस ऑनलाइन कार्यक्रम का विषय 'सिनेमा,साहित्य और पत्रकारिता' है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 24 सत्र सिनेमा, साहित्य एवं पत्रकारिता पर केंद्रित होंगे जिसमें देश के प्रख्यात विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित करेंगे।

इस ऑनलाइन कार्यक्रम में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन किया है। कार्यक्रम का संयोजन सिनेमा अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पवित्र श्रीवास्तव कर रहे हैं। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि तेजी से बदलती तकनीक एवं समाज में हो रहे परिवर्तनों में सिनेमा , समाज और पत्रकारिता को भी परिवर्तित किया है। कार्यक्रम का समापन 25 जुलाई को होगा।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH '20 JULY.2026

एमसीयू में सिनेमा, साहित्य व पत्रकारिता पर आनलाइन कार्यक्रम आज से

भोपाल : माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) और यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र, अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार से आनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसका विषय 'सिनेमा, साहित्य और पत्रकारिता' है। उद्घाटन सोमवार सुबह 10 :30 बजे विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी करेंगे। कार्यक्रम में एक सप्ताह के दौरान 24 आनलाइन सत्र होंगे, जिनमें देश के प्रख्यात विशेषज्ञ प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के लिए देशभर से सौ से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम का संयोजन सिनेमा अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) पवित्र श्रीवास्तव कर रहे हैं।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'20 JULY.2026

एमसीयू में आज से शुरू होगा सिनेमा

साहित्य और पत्रकारिता पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) तथा यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 20 से 25 जुलाई तक एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

'सिनेमा, साहित्य और पत्रकारिता' विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम का संचालन एमसीयू के सिनेमा अध्ययन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार सुबह 10:30 बजे विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी करेंगे। छह दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिनेमा, साहित्य और पत्रकारिता के विविध आयामों पर कुल 24 ऑनलाइन सत्र आयोजित होंगे। इनमें देश के प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे और समकालीन विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे।

सिनेमा अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पवित्र श्रीवास्तव कार्यक्रम के संयोजक हैं। उन्होंने बताया कि बदलती तकनीक और सामाजिक परिवर्तनों ने सिनेमा, साहित्य और पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक रूप से प्रभावित किया है।

इसी परिप्रेक्ष्य में कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों की रूपरेखा तैयार की गई है, ताकि शिक्षकों और शोधार्थियों को नवीन दृष्टिकोण और समकालीन ज्ञान प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। 25 जुलाई को समापन सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

'NAIDUNIYA'20
JULY.2026

एमसीयू में सिनेमा, साहित्य एवं पत्रकारिता विषयक संकाय विकास कार्यक्रम आज से

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय तथा यूजीसी- मालवीय मिशन शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र, अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के संयुक्त तत्वाधान में एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (फेकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम) का आयोजन 20 से 25 जुलाई 2026 को किया जा रहा है। एक सप्ताह तक चलने वाले इस ऑनलाइन कार्यक्रम का विषय सिनेमा, साहित्य और पत्रकारिता है। एमसीयू की ओर से यह कार्यक्रम सिनेमा अध्ययन विभाग के द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 20 जुलाई 2026 को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी करेंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक सप्ताह में कुल 24 सत्र सिनेमा, साहित्य एवं पत्रकारिता पर केंद्रित होंगे जिसमें देश के प्रख्यात विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित करेंगे। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन किया है। इस कार्यक्रम का संयोजन सिनेमा अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पवित्र श्रीवास्तव कर रहे हैं।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'20 JULY.2026

एमसीयू में ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आज से

जागरण, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) और यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 20 से 25 जुलाई तक 'सिनेमा, साहित्य और पत्रकारिता' विषय पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन 20 जुलाई को सुबह 10:30 बजे विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी करेंगे। एमसीयू के सिनेमा अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK JAGRAN'20 JULY.2026

एआइ तकनीक सीखने वालों के लिए बनेंगे सर्वाधिक अवसर : प्रो . आशुतोष कुमार

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: भोपाल: ज्ञान की महत्ता सर्वोपरि होती है। मानवीय चेतना और बुद्धि का विकल्प एआइ नहीं हो सकती है। तकनीकें बदलती रहती हैं, लेकिन केवल ज्ञान ही स्थाई रहता है। इसी ज्ञान के आधार पर मशीनें एआइ जैसी तकनीक से संचालित हो रही हैं। एआइ तकनीकों के बारे में आमजन को शिक्षित करने में मीडिया की अहम भूमिका है। यह बात एमसीयू में संचालित एआइ एफडीपी के समापन सत्र पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और आइआइआइटी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह ने कही।

प्रो. सिंह ने एआइ और रोजगार के मुद्दे पर कहा कि एआइ से अनेकों रोजगार सृजित होंगे। इससे किसी को डरने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि इसे सीखकर नए अवसर बनाए जा सकते हैं। एमसीयू के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि मीडिया के न्यूजरूम में

एमसीयू में प्रो . आशुतोष कुमार सिंह ने एआइ और रोजगार के मुद्दे पर अपनी बात रखी। • सौजन्य : आयोजक

तेजी से बदलाव आ रहे हैं। आज जो टूल और टेक्नोलाजी वहां उपयोग हो रही है, वह एक सप्ताह या उससे भी कम वक्त में बदल रही है। इसका मूल कारक एआइ है।

इसी विचार से पत्रकारिता विवि के सिलेबस में एआइ का समावेश किया गया है ताकि विद्यार्थी इसे सीखें। यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम इस दिशा में एक शुरुआती कदम है, जिसमें प्राध्यापकों ने दस दिन प्रशिक्षण लिया है। इसका लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। तकनीक और भाषा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ बालेंदु शर्मा दाधीच ने कहा कि भारत एआइ की महाशक्ति बन सकता है। सरकार एआइ को बढ़ावा दे रही है। हमें एआइ के साथ आगे बढ़ना होगा। वरिष्ठ पत्रकार और एआइ ट्रेनर देविका छिब्बर ने गूगल एंटीग्रेविटी और आर्बिटर टूल्स पर प्रोफेशनल वेबसाइट्स डिजाइन करने और डीपफेक को पहचानने पर प्रैक्टिकल करवाए।

उन्होंने कहा कि मीडिया में न्यूजरूम इकोसिस्टम के भीतर एआइ के साथ व्यापक स्तर पर काम हो रहा है, इसलिए मीडिया प्रोफेशन में आने वाले विद्यार्थियों को एआइ और एजेंटिक एआइ का प्रशिक्षण जरूरी है। सत्र का संचालन इस एफडीपी के समन्वयक और विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष डा. पवित्र श्रीवास्तव ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'18 JULY.2026